ARYA KANYA MAHAVIDYALYA

SHAHABAD MARKANDA (HARYANA)

Affiliated to Kurukshetra University, Kurukshetra

Estd. 1968

75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

Date: 26th March, 2022 | Time: 9:30am onwards

DEPARTMENT OF FINE ART organizes

ONE DAY

NATIONAL SEMINAR

in Virtual Mode

THEME

DIGITAL ART AND INTANGIBLE CULTURAL HERITAGE OF THE INDIGENE

SPEAKERS OF THE EVENT

Mr. Rakesh Kumar Chaudhary
Assistant Professor
Applied Arts
Amity University, Haryana
Founder - Bindaas Artist Group

Mr. Nitin Kumar Mengi
Assistant Professor
University Institute of Media Studies,
Chandigarh University,
Mohali, Punjab

PANEL DISCUSSION

Daljeet Kaur Sandhu
Founder - Kaurtoons
Punjab

Teena Pandey
Graphic Artist
New Delhi

Pranjit Sharma
Assistant Professor
School of Design
Presidency University,
Banglore

Rashmita Kanaujia
Assistant Professor
NIIFT, Mohali

REGISTRATION LINK

https://forms.gle/xArmargxKbWwWn896

Last date of Registration is 25th March, 2022

E-CERTIFICATES WILL BE GIVEN TO ALL PARTICIPANTS

Note: Feedback form is Compulsory

PLATFORM

GOOGLE MEET   YouTube YOUTUBE LIVE STREAMING

ORGANIZING COMMITTEE

Patron
Dr. (Mrs.) Sunita Pahwa
Principal

Convener
Mrs. Santosh
HOD-Department of Fine Art

Co-Convener
Ms. Kiran Khevaria
Commercial Art, Designing and Painting

MEMBERS

- Mrs. Veena
- Dr. Poonam Siwatch
- Dr. Hema Sukhija
- Dr. Jyoti Sharma
- Dr. Kavita Mehta
- Dr. Priyanka Singh
- Ms. Rajinder Kaur
- Mr. Mahesh Dhiman

Tech Co-ordinator
Ms. Swati Atri
Department of Comp. Sci.

आर्य कन्या महाविद्यालय, शाहाबाद मारकण्डा
ARYA KANYA MAHAVIDYALYA
(A Premier Multifaculty Post Graduate Girls Institution Affiliated to KUK)
SHAHABAD MARKANDA, DISTT KURUKSHETRA (HARYANA)
Estd. 1968

Ref. No. 801/AKM/2022 Date 26/03/2022

एक दिवसीया राष्ट्रीया ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

आर्य कन्या महाविद्यालय ,शाहाबाद मारकंडा के ललित कला विभाग द्वारा संगोष्ठी की संयोजिका तथा ललित कला विभाग की अध्यक्षा श्रीमती संतोष एवम् उप-संयोजिका किरण खेवरिया के मार्गदर्शन में एक दिवसीया राष्ट्रीया ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना कर किया गया। उदघाटन सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० सुनीता पाहवा ने दोनों विशिष्ट वक्ता, पैनल विचार- विमर्श का वक्तृगण तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा ललित कला विभाग एवं संगोष्ठी के आयोजक- सदस्यों को बधाई दी। संगोष्ठी की उप-संयोजिका श्रीमती किरण खेवरिया ने संगोष्ठी के उद्देश्य तथा विषय वस्तु को संक्षेप में सबके समक्ष प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में बिंदास कलाकार संघ के संस्थापक तथा अमेटी विश्वविद्यालय, हरियाणा के अनुप्रयुक्त कला विभाग के सहायक-आचार्य श्री राकेश कुमार चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा की हजारों वर्षों से मनुष्य द्वारा अपनी अभिव्यक्ति को कला के माध्यम से व्यक्त किया जा रहा है, परंतु पिछले दशक से रचनात्मकता हेतु डिजिटल कला को इसमें शामिल किया गया। यह एक अद्वितीय कला है किसी भी रचना को तैयार करने के लिए कंप्यूटर पर आधारित प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाता है उन्होंने लियोनाडो दा विची,जैमिनी राय ,हेनरी मोरे तथा अलेक्जेंडर फ्लैमिंग की कला प्रदर्शन द्वारा डिजिटल कला को स्पष्ट किया ।रचनात्मक डिजिटल कला का आरंभ करने से पूर्व संकल्पना, प्रतीक ,चयन, दृश्य तथा प्रकाश को जानना अनिवार्य है। उन्होंने कुछ सॉफ्टवेयर भी प्रतिभागियों के साथ सांझा किए ।इन्हें डाउनलोड कर विभिन्न प्रकार के चित्र बनाए जा सकते हैं। एक सामान्य सीखने वाला भी फोन ,टेबलेट द्वारा आसानी से इन एप्स को डाउनलोड कर इस कला को जान सकता है। इसके साथ-साथ उन्होंने डिजिटल कला की विभिन्न प्रकार की पुस्तकों तथा मैगजीन से भी सभी को अवगत करवाया। तकनीकी सत्र में विशिष्ट वक्ता मीडिया अध्ययन का विश्वविद्यालय संस्थान, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब में सहायक-आचार्य के पद पर सुशोभित नितिन कुमार मैंगी ने अपनी संस्कृति और विरासत को स्पष्ट करते हुए बताया कि एक कलाकार अपने चित्रों द्वारा संस्कृति और धरोहर को दूसरों तक पहुंचाता है हमारी भारतीय परंपरा

P.T.O

Principal (Offg.) Arya Kanya Mahavidyalaya

Ph. : 01744-240721, 240172 E-mail : akmshahabad@yahoo.com, Website : www.akmshahabad.edu.in

Ref. No. 801/AKm/2022

Date 26/03/2022

एवं विरासत को संपूर्ण विश्व के लोग मानते हैं एक कलाकार को भी जरूरत है कि वे अपनी परंपरा और धरोहर को अच्छी प्रकार से समझे। उन्होंने वेद,रामायण तथा महाभारत कालीन समय से सभी को अवगत करवाया। एक कलाकार सदैव समाज के लिए कार्य करता है उसे समाज से जुड़ना होगा। व्यक्ति चाहे किसी भी पद पर आसीन हो परंतु अपनी जड़ों से जुड़े रहना जरूरी है ।एक कलाकार को अपनी मिट्टी से जुड़े रहना जरूरी है। कोरोना समय की चुनौतियों को कलाकारों ने नवीन माध्यमों से स्वीकार किया। डिजिटल कला ने कोरोना काल में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। पैनल विचार-विमर्श के दौरान कार्टून्स, पंजाब की संस्थापक श्रीमती दिलजीत कौर संधू, नई दिल्ली की ग्राफिक आर्टिस्ट श्रीमती टीना, बंगलुरु के प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ डिजाइन के असिस्टेण्ट प्रोफेसर श्री प्रणजीत सर्मा तथा एन. आई.एफ.टी, मोहाली में असिस्टेण्ट प्रोफेसर श्रीमती रश्मिता कनुजिया ने संगोष्ठी के विषय पर अपने विचार पी.पी.टी एवं व्याख्यान रूप में प्रस्तुत किए। अपने देश-विदेश के विभिन्न राज्यों से कुल 255 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। संगोष्ठी की संयोजिका एवं ललित कला विभाग की अध्यक्षा श्रीमती संतोष ने प्रबंधकारिणी समिति के सभी सदस्यों, प्राचार्या महोदया,विशिष्ट अतिथियों ,पैनल विचार-विमर्श-गण, प्रतिभागियों तथा महाविद्यालय की सभी सहयोगी सदस्यों तथा छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। अंग्रेजी विभाग की सहायक-आचार्या डॉ० श्रीमती प्रियंका सिंह ने मंच संचालन का कार्यभार बखूबी निभाया। इस संगोष्ठी के सफल आयोजन में वाणिज्य विभाग के सहायक-आचार्य श्रीमती वीना, भौतिकी विभाग के सहायक-आचार्या डॉ० पूनम सिवाच, गणित विभागाध्यक्ष डॉ० हेमा, संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ० ज्योति शर्मा, अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डॉ० कविता मेहता, कंप्यूटर विभाग की सहायक-आचार्या श्रीमती स्वाति अत्रि, पुस्तकालयाध्यक्षा श्रीमती राजेंद्र कौर तथा ललित कला विभाग के सहायक-आचार्य श्री महेश धीमान का विशेष सहयोग रहा। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय की छात्राएं भी उपस्थित रहीं । शांति पाठ के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

डॉ० (श्रीमती) सुनीता पाहवा
कार्यवाहक प्राचार्या
28/03/22

Principal (Offg.)
Arya Kanya Mahavidyalya
Shahabad Markanda

Website : www.akmvshahabad.edu.in